



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	18.3.25		

दैनिक भारकर

भारकर खास

एचएयू के कृषि मेले में 40 प्रगतिशील किसानों को मिला सम्मान, इनमें 18 महिलाएं शामिल खेती-किसानी में छा रहीं महिलाएं... किचन में आचार-मुरब्बा बनाने से लेकर खेतों में ट्रैक्टर तक चला रहीं छोरियां

यशपाल सिंह | हिसार

हरियाणा में महिलाएं अब खेती किसानी में भी छा रही हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेला में सोमवार को मुख्य अतिथि वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने 40 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया है। इनमें 18 महिलाएं शामिल हैं।

इनमें कुछ महिलाएं ऐसी हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी खेती को अपनाकर आगे बढ़ी हैं। सिरसा के ख्योवाली की सावित्री अपने पीहर में रहकर प्राकृतिक खेती कर रही है। पंचकूला की रंजीत कौर ने अपना आचार मुरब्बे का कारोबार बढ़ाया और इसी से अपना घर चला रही है। करनाल के कुचपूरा की हीना ने बीते आठ साल से मार्केट से सब्जी नहीं खरीदी, वह अपने ही किचन गार्डन

से सब्जियां उगा रही हैं। करनाल जिला के कुचपूरा की हीना देवी साल 2017 से अपने ही खाली प्लॉट में किचन गार्डनिंग करती है। उनके किचन गार्डन में धनिया, मेथी, पालक, ब्रोकली, बंद गोभी, फूल गोभी, प्याज, बैंगन, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, नीबू आदि के पौधे लगे हैं। इसके अलावा सीजनल सब्जियां भी रहती हैं। यह सभी ऑर्गेनिक तरीके से उगाई जाती हैं। बीते आठ साल से किसी भी तरह की सब्जी उन्होंने मार्केट से नहीं खरीदी है। उनको देखकर गांव की अन्य महिलाओं ने भी अपने घरों में किचन गार्डन बनाए हैं। करनाल के एनडीआरआई से खाद व किचन गार्डनिंग की ट्रेनिंग भी गांव की महिलाओं ने ली है। हीना देवी बताती है कि सब्जियों में किसी तरह की स्प्रे या फटिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता।

रंजीत कौर कृषि विज्ञान केंद्र से ट्रेनिंग लेकर घृटिक वला रहीं



पंचकूला के सुभाष नगर में रहने वाली रंजीत कौर कृषि विज्ञान केंद्र से ट्रेनिंग लेकर अब अपना घृटिक चला रही है। साथ ही अचार व मुरब्बा भी बनाती है। उनके अचार-मुरब्बा की पंचकूला में डिमाड है।

मिक्स अचार के अलावा आंवला, सेब और आम के मुरब्बा तैयार करती हैं। उनके पाति सुरेंद्रपाल भी उनका हाथ बंटाते हैं। उनके अचार-मुरब्बा की खरीदी भी चल रहा है। एचएयू कृषि मेला में उनको भी सम्मानित किया गया।

मेले में उद्यमी किसानों ने 23 स्टालें लगाई। मेले में सरकारी, निजी कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गईं। उद्यमी किसानों ने भी 23 स्टालें लगाई। प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संचाव कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विवि के वैज्ञानिकों से जाने।

‘कृषि में युवाओं के लिए हैं अपार संभावनाएं’ कुलपति ने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बायबाटी, चारा उत्पादन, साइनेज मेकिंग, नसरी, बीज उत्पादन का विवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैनिक मासिक

दिनांक

18. 3. 25

पृष्ठ संख्या

।

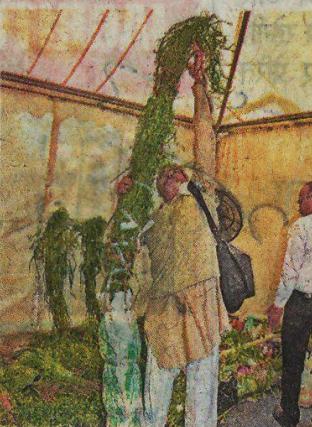
कॉलम

1-3

सिटी एंकर एचएयू पौध विभाग की स्टॉल पर किसान उन्नत फसलें लेकर पहुंचे कृषि मेले में 8 फीट की पालक, 5 फीट की लौकी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कृषि मेले में फसल प्रतियोगिता को लेकर सोमवार को पौध विभाग की स्टॉल पर प्रदेशभर से किसान अपनी-अपनी उन्नत फसलें लेकर पहुंचे। स्टॉल पर पहुंची आठ फीट की पालक, पांच फीट की लौकी, 14 किलोग्राम का कहू आकर्षण का केंद्र रहे। वहाँ एक किलोग्राम के प्याज, आधा किलो के लहसून के अलावा गशा, बेर, अमरुद, किन्नू की वेरायटी शामिल रही। पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र यादव ने बताया कि कृषि मेला में किसानों द्वारा तैयार वेरायटी की प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं। पुरास्कार दिए जाएंगे।



गंव चमारखेड़ा के किसान बीरेंद्र सिंह कृषि मेले में आठ फीट लंबी पालक को लेकर पहुंचे। पालक की देसी वेरायटी अपने खेत में ही तैयार की है। पत्ते आधा से पौना फुट तक लंबे हैं।

कृषि मेले में भूथनखुर्द के किसान रवि पूनिया पांच फीट की लौकी लेकर पहुंचे। रवि ने बताया कि लौकी खाने के लिए तीन फीट तक ठीक रहती है। इसके बाद इसका जूस बनाया जा सकता है।

सोनीपत जिला के ककरोई गांव से किसान बलबीर सिंह 14 किलोग्राम वजनी कहू लेकर कृषि मेले में पहुंचे। कहू को गोबर की खाद दी गई और यह पूरी तरह से ऑर्गेनिक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्यु उजाला	१८.३.२५	५	१-५

कृषि मेले में उमड़े किसान, मिट्टी-पानी की करवाई जांच, उन्नत किस्मों के बीज खरीदे एचएयू में कृषि मेले का आयोजन, 40 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित, आज भी लगेगा

संचाद न्यूज एजेंसी

46

हजार के लगभग किसानों ने कृषि
मेले में पहले दिन की शिरकत

35

लाख की कीमत के बीज और अन्य
उत्पाद बिके कृषि मेले में



एचएयू में सोमवार को आयोजित कृषि मेले में सम्मानित किसान, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत: संस्थान

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केंद्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गईं। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गईं। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संचाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके: कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा

मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया।

कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की।

मेले में किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31.26 लाख रुपये के बीज खरीदे। 25 हजार रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सभी व बागवानी फसलों के बीजों की

2.67 लाख रुपये की बिक्री हुई। मेले में 52,800 रुपये के टिशु कल्पव्रक्त के पौधे बिके।

किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रुपये के जैव उत्तरक की बिक्री हुई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि · भूमि	१४.३.२५	१२	२६

कृषि उद्यमिता को अपनाकर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं किसान : प्रो. काम्बोज

एचएयू में कृषि मेला शुरू, किसानों ने उन्नत किस्मों के 31 लाख से अधिक के बीज खरीदे

■ विवि में दो दिन चलेगा मेला
किसानों में उत्साह

हाईमूगि न्यूज़ ||| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारबाह सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। प्रो. बीआर काम्बोज सोमवार को एचएयू में शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेला के शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रहे थे। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मशुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोसिटिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलोज मेंकिंग, नरसरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बैकरी में हक्कवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान



हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।



हिसार। प्रगतिशील किसानों के साथ कुलपति बीआर काम्बोज।

स्टाल बनी आकर्षण का केंद्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालों लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालों लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई 47 स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विमानों के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्रि-

बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हक्कवि के एविक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने

> कृषि साहित्य की खूब हुई बिक्री

मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उचित किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदी। मेले में 25 हजार रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवाली फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के टिशु कल्पर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जाय सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जाव करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रुपए के जैव उत्प्रक की बिक्री हुई।

के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है।

कार्यक्रम में थे रहे उपस्थित : कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार

किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।



समाचार पृष्ठ का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब ट्रेसरी	१८. ३. २५	५	१-३

**हजारों किसानों ने मेले में जानी कई आधुनिक कृषि तकनीक
कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ : प्रो. थाम्बोज**

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ: प्रो. काम्बोज



मेले में पहुंचे किसान व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्योज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

हक्कवि द्वारा आयोजित कृषि गोला का शुभांश्च

हिमारा, 17 मार्च (शतो) : जौधीरे चरण सिंह हरियाणा कृषि विभागीयालय में दो दिवसीय कृषि मेला ('खुरोफ') का शुभारंभ हुआ। इस मेले में हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों से हजारों किसान पहुँचे। तास बाट पह रही कि महिलाओं की भागदारी भी मेले में कानूनी रही। छात्राओं ने भी कृषि संवर्धी अनेक जानकारियां भेले में ली। वही किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीक बारे जानकारी ली। मेले में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को आवाहन किया कि वे कृषि उत्पादन में बड़ीतरी करने एवं कृषि लागत में कमी लाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों का मानना था कि किसान उत्पादन किस्म के बीज, सूक्ष्म सिंचाई तथा नवीनतम कृषि उपकरणों का प्रयोग करके अपने उत्पादन में इजाफा कर सकते हैं। मुद्रा स्वामस्य सुधार के लिए मिट्टी की जांच पर आधारित पोषक तत्व ढालना वैद्युत की फसल को हरी खाद के रूप में लगाना तथा मुद्रा में जैविक खाद का इस्तेमाल व सिफारिश किए गए फसल नक्क को अपनाना जरूरी है।

इससे पहले निच्छविदालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताये मूल्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का शीर्ष 'कृषि में उद्यमिता' को बढ़ावा' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारबाह सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी अधिक विश्विति को सुइड़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मपन्नू उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्षी कम्पोसिटिंग, मध्यी उत्पादन, बागवानी, चारों उत्पादन, साइलेज मैकिंग, नर्सरी, बौज उत्पादन, मछली पालन एवं बैकरी में हक्कवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोज़गार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उत्तर खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसेंग, ऐकाविंग व ब्रॉडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

कुलपति ने बताया कि विभिन्नविद्यालय में स्थापित एग्री-विजनेस इंजिनियरिंग सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हक्काचि के एवजक द्वारा अब तक 250 इंजिनियरिंग स्टूडेंट्स को प्रशिक्षण व सहायता दिया जा चक्र है। इसके तहत 65 बेस्ट इंजिनियरिंग स्टूडेंट्स को स्टार्टअप



कुलपति प्रो. यी.आर. काम्योज मेले में सम्मानित किए गए प्रगतिशील किसानों के साथ।

करने के लिए ४ करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उठोने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री विजेन्स इम्प्रेशन सेंटर का मकान सदूचाओं को उत्थापिता की तरफ आवश्यित करता है। उठोने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण पत्र अनुदान प्राप्त करके सूचाओं ने ना केवल स्वर्य का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है। मुख्यालयित ने कृषि मेला में महिलाओं की अधिक भागीदारी पर ध्यान जताई। साथ ही कहा कि बढ़ती मान समय में कृषि शेष के अंदर महिलाओं की भूमिका दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध, विस्तार सहित विभिन्न शैक्षणिक और सांख्यिकीय उपलब्धियों हासिल की है।

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी
आकर्षण का केन्द्र, कुलपति ने
किया अवलोकन

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उत्तर किस्म की खीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खुरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियाँ छारा 258 स्टालों लगाई गईं। भैले में उच्चमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालों लगाई गईं। कूलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई रसालों पर निजी क्षेत्र की कौपिकीय की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन प्रस्तावों का विवेचन किया। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक समावद कायद्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने कफलतों से सम्बद्ध समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार
किसानों ने की शिरकत, 35 लाख
के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कृषि मेला खरीदार में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलदाम सिंह मठल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजेश्वर गयगे ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मेले का संचालन डॉ. भौतक ने किया।

कुलपति ने नए उत्तर दीजा, कृषि विधियों, सिवाई और मध्यनीय आदि की जानकारी हासिल की। किसानों द्वारा किसानों की उत्तर किस्मों के लगभग 31 लाख हजार के बीज खरीदे। सभी व बागवानी कसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में हजार 800 रुपए के टिशु कल्पन के पांच बिल्कुल सामानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांबू सेवा का लाभ उठाते मिट्टी व पानी के 200 नम्रों की जांबू करवाई।

गतिशील किसानों द्वा सम्मानित किया

कार्यक्रम के दौरान मुख्यालिखि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों का अनुसन्धान करने वाल प्रार्थीशील किसानों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले किसानों में करनाल के गाँव बुधपुरा से हीना देवी, गाँव कैमता से सतपाल सिंह, कैबल गाँव जसवटी से नीलम, गाँव बता से महेन्द्र सिंह, कठोला स्थित पलवल से कुमारी एकता, किशोरपुर से राम, सदलपुर स्थित गाँव खेड़ी बरखी निवासी सुमित्रा एवं गाँव प्रभुवाला से कर्तिक, सिरसा के गाँव छायावटी जावीरी, गाँव सुकेंगा खेड़ा से आशीष मेहता, महेन्द्रगढ़ गाँव मुन्हरव से सुलोध, गाँव बैकल से करण सिंह, परकुला सुभाष नगर कालोनी से रजीत कीर, गाँव दलालड से जेवत, करीदाराबाद स्थित गाँव बहादुरपुर से कविता, गाँव रसी निवासी रमन यादव, रोहतक के गाँव पहारावर से जीता, भाली आनन्दपुर निवासी नीतन कुमार जामिल है। उनके उल्लंघन से के गाँव अविराम से अविराम

इसके अलावा गांव के नाव आहरका भी सुनना पड़ता है, गांव पिल्लुखेड़ा से बिनोद, पानीपत के गांव शापीली सुमनबाला, गांव आसन खुर्द से जयपाल, रेवड़ी के द सीहा से वर्मन यादव, गांव शाहपुर से राजन्द सिंह, तेहावाद स्थित गांव टीगसरा से ज्योति, गांव नंगल दरतिया से सीताकुमार, घमुन-नगर स्थित गांव धानुपरा पूनम देवी, गांव लाहडपुर से झानचंद, अदिला के नव बिहार से अनीता कुमारी, गांव नम्मल राजपुताना सुरेन्द्र शर्मा, नियानी के गांव जुई से सुनीता, दाणी उशन लाल से बलवान, कुरुक्षेत्र के गांव दबण्डी की, गांव सिरसला से गुरुदीप सिंह, सोनीपत के गांव डीरा से पूनम रानी, गांव राजतुंगी में उमेश कुमार, गांव के गांव छादली से नीलम, गांव माछरीली से सुरेन्द्र कुमार, नुह (मेवात) के गांव छिप्पा से हरदम व गांव जीरा से महेन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	१४. ७. २५	५	१-६

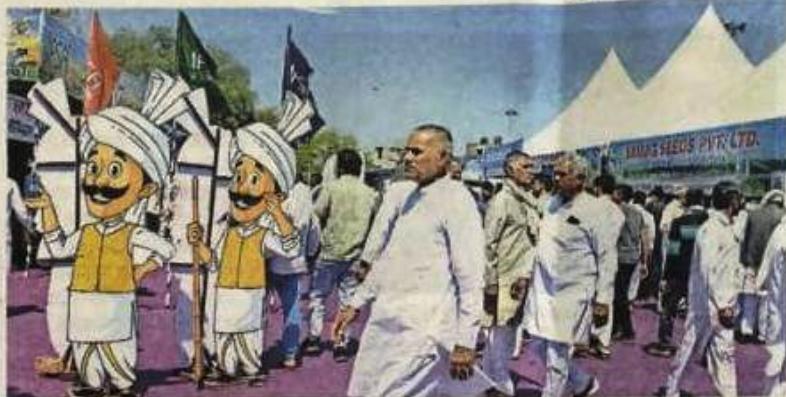
कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएँ : काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खरीफ मेले का शुभारंभ, प्रत्येक जिले से दो-दो किसान हुए सम्मानित

जागरण संबोधाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेले (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कवचोज ने बहार मुख्य अधिकारी मेले का उद्घाटन किया। इस चर्चे मेले का धीर्घ 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा दें' गया है। इस दौरान किसानों को भी सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर कवचोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में वाया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रतिक्रिया है। ग्रामीण अव्यवस्था को बदलने करने में कृषि उद्यमिता कारण रिहाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। किसान युवाओं के साथ-साथ

कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुनुह कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशहूर उत्पादन, मशुमच्छी पालन, वर्षों कम्पोस्टिंग, सर्वजी उत्पादन, बांगवानी, चंदा उत्पादन, सालेज मीटिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बैकरी में हक्कावास से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक पुनर्जनक कामों के लिए, किसानों से उन्नत खेतों के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसारकरण, मूल्य संरचन करने के अलावा सर्किस्म, पैकेजिंग व ब्राइंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्जी-विजेनेस इंक्यूबेटन सेटर विद्यार्थी, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए अपनाना जरूरी है।



किसान के ठाठ... चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला का आयोजन किया गया है, मेले में हजारों किसानों ने आकर कृषि योजों को देखा। उपर्योगी वर्ष के बारे में जानकारी जुटाई। मेले में लगे प्रशिक्षणीय किसानों के कार्यालय में दिखाई दे रहा किसानों का ठाठ। कृषि काल



चौधरी के कृषि मेले में प्रशिक्षणीय किसानों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कवचोज • ज्ञानपत्र

कृषि स्टार्टें बनी आर्कर्षण का केंद्र, कुलपति ने किया अवलोकन किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म की बीजें एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं छुरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टार्टें लगाई गई। मेले में

पहले दिन 46 हजार किसानों ने की शिरकत : लार्केम के दीरण मूल्यांकित ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतीलीन किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विद्यालय के बांगवान सिंह मजदूर और अनुसंधान विदेशक डा. राजवीर गंगा ने मेले में आए हुए किसानों का स्वागत किया।

किसानों ने खरीदे बीज

किसानों ने खरीफ क्षेत्रों की उन्नत किस्मों के लागत 21 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार लाए एवं खाइय की किट्टी हुई। सब्जी व बांगवानी किसानों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की किट्टी हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के टिक्के कल्पर के पौधे बिके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत रामानाथ	१४. ३. २५	५	५-८

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 मार्च (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताई मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नरसी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हक्की से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उत्तम खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकिंग पर ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आहान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है।

हक्की के एकिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेट्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेट्स को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है। किसानों को नवीनतम तकनीकों, उत्तर किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालों लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालों लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए

संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया।

विस्तार विश्वास निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव जापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। कुलपति ने नए उत्तर बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उत्तर किस्मों के लाभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके।

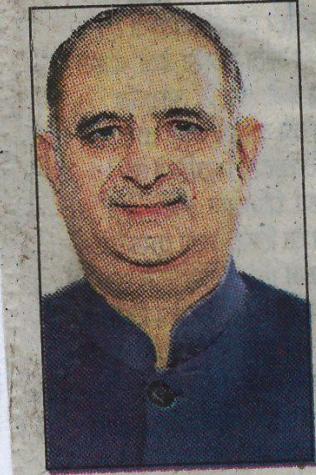


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घी · भूमि	18 · 3 · 25	३	· 1-2

कृषि विदेश

उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, किसानों आर्थिक रूप से मजबूत होंगे



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.
बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए
गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। प्रो.
काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में
बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है।
किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के युगल से
बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव
है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को
अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद
मिलेगी। गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गन्ने की
मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हारवेर्स्टर मशीन
पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट समाचार	18. ३. २५	५	१०३

बजट से कृषि उत्पादन में बढ़ोतारी एवं किसानों की आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितोंपर्यावरण बताया है कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की उपचारा की जांच करवाने में मदद मिलेगी जिससे नकली बीज की समस्या से निजात मिलेगी। गत्रा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गत्रे की मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हाईस्टर मशीन पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे गत्रे की कटाई में होने वाले लेबर के खर्चों में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि अंबाला, यमुनानगर व हिसार में क्रमशः लीची, स्ट्रॉबेरी और खजूर के लिए तीन नए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने का प्रावधान है जिससे किसानों की आय में बढ़ोतारी होगी। महिला किसानों को डेवरी, कृषि बागवानी, भूशुधालन एवं मत्स्य पालन के लिए ब्याज मुक्त एक लाख रुपए का ऋण देने का बजट में प्रावधान किया गया है।



कुलपति प्रो.

बी.आर. काम्बोज।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के 25000 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती के लक्ष्य के मुकाबले इस वर्ष एक लाख एकड़ भूमि का लक्ष्य रखा गया है। इससे लोगों को शुद्ध भोजन मिलेगा। मेरा पानी- मेरी विरासत योजना के तहत धान की खेती छोड़ने वाले किसानों को मिल रही अनुदान राशि 7000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 8000 रुपए प्रति एकड़ मिलेगी। धान की सीधी बुवाई की अनुदान राशि 4000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 4500 रुपए प्रति एकड़ किया गया है। इसी प्रकार धान की पराली का प्रबंध करने वाले किसानों का अनुदान 1000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 1200 रुपए प्रति एकड़ किया गया है। अमरूद के लिए अत्याधिक प्रसंस्करण व पैकेजिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा जिससे इसके उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हिसार एयपोर्ट में एयर कार्गो के लिए एक गोदाम बनाया जाएगा जिससे कृषि क्षेत्र का निर्यात करने में मदद मिलेगी। बजट में किसानों की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए की गई घोषणाओं का स्वागत करते हुए उन्होंने बताया कि बजट से प्रदेश के कृषि उत्पादन में बढ़ोतारी होने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सभी	१८.३.२५	१	१-२

**बजट से कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी एवं किसानों
की आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़ : प्रो. काम्बोज**



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि बजट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सिटी पल्स

दिनांक

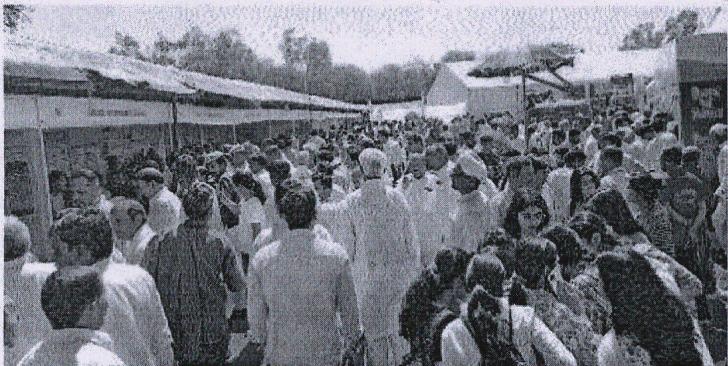
17.03.2025

पृष्ठ संख्या

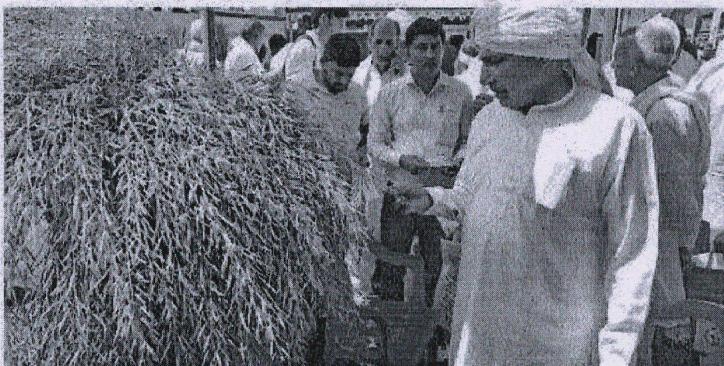
--

कॉलम

--



कृषि गेले ने उडाई किसानों, विद्यार्थियों व अन्य लोगों की भीड़।



गेले ने सरकारी किसानों को देखते हुए एक बुजुर्ग किसान।

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीद) का आयोग गुरुवार हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बताए मुख्य अंतिम मेले का उद्घाटन किया। इस बारे में काम्बोज ने थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है।

कृषि क्षेत्र में युवाओं के एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कामरार सिफ़ हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता को अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक रिक्षति को सुट्टूकर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशाल उत्पादन, मधुप्रूक्षीय पालन, बीमा कम्पोसिट्स, सब्जी उत्पादन, बांगवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेंब्रेन, नसरी में स्वरोजगार कर सकते हैं।



कृषि गेले का उद्घाटन करते हुए कृषि प्रबन्धित प्रो. वी.आर. काम्बोज।

258 स्टालों लगाई गई

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किसानों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालों लगाई गई। मेले में उडाई किसानों द्वारा भी 23 स्टालों लगाई गई। कलापीनी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषि-वैज्ञानिक संबोद्ध कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उच्चार प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किसानों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बांगवानी फसलों के बीजों की

2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के दिशु कल्पन के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जाच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रुपए के जैव उत्पादक की बिक्री हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा आगामी गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती वारे जानकारी हासिल की।

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किसानों के बीजों एवं दृष्टि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 258 स्टालों लगाई गई। गेले ने उडाई किसानों द्वारा गी 23 स्टाले लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की दर्शाई का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

आज समाज

दिनांक

18.03.2025

पृष्ठ संख्या

कॉलम

-- --

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उघामिता की अपार संभावनाएँ: प्रो. बीआर काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खानीक) का शुभारंभ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बौद्धि पुष्ट अविभिन्न मेले का उदाहरण किया। इस वर्ष मेले का थीम डॉक्यूमेंट और युवाओं को बढ़ावाना रखा गया है।

कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नक्ष व्यवस्था शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अविभवितव्यों को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कामयापन सिद्ध हो सकते हैं।

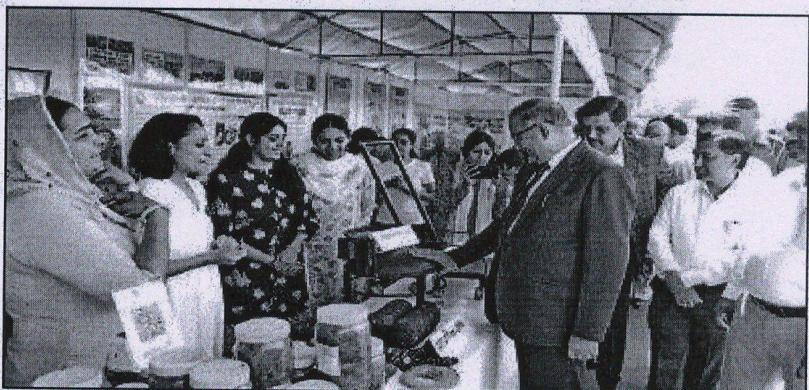
उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। किसान खेतीबाज़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपानकर अपनी आपिक विभिन्नों को सुदृढ़ कर सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में मशक्कूल उत्पादन, मधुमक्कूली पालन, चमीं कम्पोसिटिंग, सब्जी उत्पादन, बायोवानी, चारप उत्पादन, साइलेज फैरिंग, नर्सिंग, बीज उत्पादन, महसूलों पालन एवं बकरी में हक्कानी से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वयंसेवा स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने अधिक मुनाफ़ा करने के लिए किसानों से उन्नत खेतों के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पादन का प्रसंस्करण, मध्य संवर्धन करने के अलावा संवर्क्षण, पैकिंग व ब्रॉडिंग पर भी ज्ञान देने का

आहारन किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-विजनेम इन्ड्रियोन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए अंडाडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान यात्रा प्रदान करता है। हक्कानी के पर्याक द्वारा अब तक 250 इन्ड्रियोन से कृषि क्षेत्र के लिए एक खेत्र का अधिक की ग्राट दे रखा है। उन्होंने बताया कि एग्री विजनेम इन्ड्रियोन सेंटर का मकान बुद्धाओं को उद्यमिता की अपार संभावनाएँ देने के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं।

विजनेम के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खेतीदर्शक करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कृषिकार्यों द्वारा 258 स्टालें लगाई गईं। मेले में उदाहरणीय किसानों द्वारा भी 23 स्टालों लगाई गईं। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यालयों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कृषिकार्यों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों के बीज सूक्ष्म सिंचाई तथा विद्यार्थियों के वैज्ञानिकों को बढ़ाव दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए उपकरण-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि



वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।
पहले दिन लगभग 46

हजार किसानों ने की
शिरकत, 35 लाख के
बीज व अन्य उत्पाद विके

कार्यक्रम के दैशन मुख्यतावश ने कृषि एवं अन्न क्षेत्रों में उल्लंघन प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खारेक में पहले दिन दौरीया व अन्य जग्जों से 46 हजार

किसानों ने श्रग लिया। विस्तार शिख निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. गुरजीत सर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव जारी किया। मंच का संचालन डॉ. भूषण ने किया। कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, एग्री-विजनेम बीजों, कृषि योग्यताएँ आदि जी जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खानीक फसलों के बीजों के लिए किसानों में भागी उत्पाद देखा गया जहाँ किसानों को खानीक फसलों की देखी तथा उन्में प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

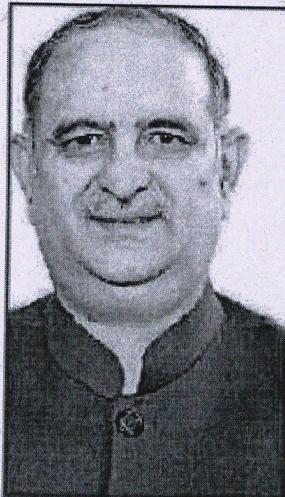
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	18.03.2025	--	--

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Rohtak Main Edition 18-03-2025 - 18 Mar 2025 - Page 5

कृषि विदेशज्ञ

उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, किसानों आर्थिक रूप से मजबूत होंगे



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बल जी ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितोंपैरी बजट बताया है। प्रो. काम्बल जी ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में खिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद गिलेगी। इन्ही उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गर्जे की मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हारवेस्टर मशीन पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूमाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूक	18.03.25	1	४

बजट से कृषि उत्पादन में होगी बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितेषी बजट बताया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के तुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद मिलेगी।